लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने आज मीडिया द्वारा दिल्ली स्थित बहुजन प्रेरणा केन्द्र के विस्तार की आलोचना किए जाने पर कड़ी आपत्ति करते हुए इसे दलित विरोधी मानसिकता की निशानी करार दिया।

मायावती ने यहां संवाददाताओं से कहा कि बसपा के काफी प्रयासों के बाद पार्टी के संस्थापक कांशीराम के सम्मान में बने बहुजन प्रेरणा केन्द्र के परिसर का विस्तार किए जाने को कुछ चैनल और अखबार ऐसी बड़ी खबर बनाकर दिखा रहे हैं जैसे बसपा ने केन्द्र से बहुत बड़ी जमीन ले ली हो। इससे इनकी दलित विरोधी मानसिकता साफ झलकती है।

उन्होंने कहा कि कांशीराम के देहांत के बाद उनकी इच्छानुसार उनकी अस्थियां दिल्ली में 12 नम्बर गुरुद्वारा रकाबगंज रोड स्थित बसपा कार्यालय में रख दी गयी थीं। बसपा कार्यालय दूसरी जगह स्थानान्तरित होने के बाद 12 नम्बर बंगले को उनकी याद में बहुजन प्रेरणा केन्द्र के रूप में बदल दिया गया लेकिन इस बंगले में जगह कम होने के कारण केन्द्र सरकार से बंगले से जुड़े दो और ऐसे बंगलों को इसमें मिलाने का अनुरोध किया जो उन्हें रहने के लिए दिए गए थे।

मायावती ने कहा ‘‘काफी प्रयासों के बाद कांशीराम के सम्मान में तैयार किया गया यह बहुजन प्रेरणा केन्द्र अब कुल मिलाकर डेढ़ पौने दो एकड़ में स्थापित हो गया है। दिल्ली में ही कई हस्तियों के स्मारक तथा संग्रहालय, लगभग पांच-छह एकड़ की जमीन पर सरकारी बंगलों में ही बने हैं लेकिन उन्हें लेकर मीडिया ने कोई विशेष खबर बनाकर नहीं दिखाई।’’

उन्होंने आरोप लगाया ‘‘देश में जब भी कोई चुनाव आता है कि कोई ना कोई अखबार या चैनल मेरी छवि खराब करने के लिये मेरे भाई-बहन की सम्पत्ति को लेकर अनापशनाप खबरें दिखाते हैं, जिनसे मेरा कोई सम्बन्ध नहीं होता। दूसरे नेताओं के बारे में ऐसी चीजें नहीं दिखायी जाती। यह दलित विरोधी मानसिकता नहीं तो और क्या है।’’

(भाषा)